Amount spent of Development of Railways in Uttar Pradeh

705. SHRI MOHAMMAD ASRAR AHMAD: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) total amount out of Budget of Railways invested in Uttar Pradesh during the last three years for the development of railways lines as against other State:

(b) whether Government are aware that the allocation in Budget for Uttar Pradesh is not in proportion to other States;

(c) if so, what are the reasons; and

(d) what steps Government propose to take with a view to bringing about parity?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (d). Allocation of funds in the Railway Budget for development of Railway Lines is not made State-wise or Region-wise, but is made Zonal Railway-Wise. Therefore, the amount spent in development of railway lines in Uttar Pradesh can not be correctly identified and or compared with those for other States.

Uttar Pradesh is served by Northern, Central, Western, Eastern, and North Eastern Railways. Some of the major projects are spread over the adjoining states also a for example the gauge conversion of Barabanki-Samastipur section from M.G. to B.G; which was executed during the recent past, covered vast areas of both U.P. and Bihar.

The investment in the projects for the development of railway lines located in U.P. and partly in the adjoining States during the last 3 years, including that expected in the current year, are of the order of Rs. 80 crores as against a total investment of about Rs. 460 crores for the entire country.

रोजगार प्रधान माध्यमिक शिक्षा

706. **श्री उमाकांत मिश्र :**

क्या **शिक्षा और संस्कृति** मंत्री यह यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शिक्षित बेरोजगारों की संख्या कम करने की दृष्टि से सरकार उन छात्रों को हाई स्कूल से आगे पढाई न करने देने के प्रस्ताव पर विचार करेंगी जो पढाई में कमजोर होते हैं ; और

(ख) क्या माध्यमिक शिक्षा को को अधिक रोजगार प्रधान बनाने के लिये शीघ्र कदम उठाये जायेंगे ?

शिक्षा और संस्कृति तथा समाज कल्याण मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्रीमती शीला कौल) (क) और (ख) : स्कूली शिक्षा की 10+2 पद्धति के अन्तर्गत कक्षा 10 को प्रथम सात्रिक स्तर में माना जाता है । कक्षा 10 तक की शिक्षा को व्यापक आधार वाला तथा अधिक कार्योन्मुख बनाया गया है ताकि जो छात्र इस स्तर पर शिक्षा छोड देते हैं अधिक रोजगार योग्य बन सकें । 10+2 स्तर पर विविध पाठ्यक्रमों दोनों शैक्षणिक तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था की गई है । ये स्तर उन छात्रों के लिये सात्रिक हैं जो आगे शिक्षा जारी रखना नहीं चाहते अथवा नहीं रख सकते । छात्रों को अधिक रोजगार योग्य बनाने तथा उच्च शिक्षा पर भार को कम करने के उद्देश्य से इस स्तर पर अन्य बातों के साथ साथ व्यवसायिक पाठ्यक्रमों पर जोर दिया गया है ।

शिक्षा को और अधिक रोजगारोन्मुख बनाकर इन तथा अन्य उपायों का आशय शिक्षित बेरोजगार की समस्या से कारगर ढंग से निपटाना है ।